M. S. Golwalkar,
M. Sc., LL. B.,
Hedgewar Bhavan
Nagpur C. P.

Camp नागपुर

Date १९ अगस्त १९४८

मान्यवर सरदार वल्लभभाई पटेलजी -
सादर प्रणाम ।

ता० ६-८-४८ को बंदिवास से मेरी मुक्तता हुई । तुरन्त ही मुझ पर कुछ निर्बन्ध डाले गये जिससे मैं नागपुर में ही हूं । जिस समय मुझे बंदिवास में डाला गया उस समय की परिस्थिति में अधिकारी वर्ग की मनःस्थिति विचलित होने से ही यह अकल्पित कदम उठाया गया ऐसा मैंने स्वतः को समझाने का प्रयत्न किया । अर्थात् महत्वपूर्ण स्थान अलंकृत करनेवालों के मन विचलित हों और विपरीत कृत्य करें यह बात मान लेना अतीव कठिन रहा और अब भी कठिन ही है । और अब तो पर्याप्त समय बीत जाने के बाद और वायुमंडल स्वच्छ होने के लिये आवश्यक पर्याप्त प्रमाण प्रकाश में आने के पश्चात् भी मन की अवस्था वैसे ही विचलित हो सकती है यह मानना असंभव है । परंतु मेरे ऊपर लगाये गये अनावश्यक निर्बन्धों से मन के स्थैर्य का अब भी परिचय नहीं मिलता - असंभव को संभवनीय मानना पड़ता है ।

तथापि आप सब लोगों के संबंध में

M. S. Golwalkar,
M. Sc., LL. B.,
Hedgewar Bhavan
Nagpur C. P.

Camp.....

Date.....